RAF SECTOR
NEWS CLIP
16/01/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan Aligarh (UP)

एएमयू के मास कम्युनिकेशन विभाग से बाब-ए-सैयद तक निकाला मार्च, सीएए को वापस लेने की मांग

विद्यार्थियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

एएमयू में विद्यार्थियों ने मंगलवार को आंखों पर पट्टी बांधकर मार्च निकाला। विद्यार्थियों ने कहा कि कानून अंधा हो चुका है। इसी के चलते यह मार्च निकालकर नए कानून का विरोध किया गया। विद्यार्थी देर शाम तक बाब-ए-सैयद गेट पर विरोध-प्रदर्शन करते रहे। नागरिकता कानून के विरोध में एएमयू छात्र हर दिन नए तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। बाब-ए-सैयद गेट पर भी धरना जारी है। इससे अलग रेजिडेंट डॉक्टर्स हर दिन ट्रामा सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

डक प्वाइंट के बाहर भी सीनियर गर्ल्स प्रदर्शन कर रही हैं। मंगलवार को छात्र-छात्राओं ने आंखों पर पट्टी बांधकर मार्च निकाला। मार्च मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट से बाब-ए-सैयद तक निकाला गया। मार्च के बाद बाब-ए-सैयद पर चल रहे धरने में भी छात्र पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों ने एकता के नारे लगाये। कहा कि इस बुरे दौर में सभी को एक होना जरूरी है। धर्म को बीच में न आकर एक होकर लड़ाई लड़नी होगी। यह मार्च विश्वविद्यालय समन्वय समिति के नेतृत्व में निकाला गया था। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष फैजुल हसन, जैद शेरवानी, आमिर मिंटोई, फरहान जुबैरी, सज्जाद सुभान राथर सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

एएमयू में प्रशासनिक भवन के बाहर तैनात आरएएफ के जवान।

एएमयू में मंगलवार को व्हाइट कोट मार्च निकालते रेजिडेंट डॉक्टर्स।

रेजिडेंट डॉक्टर्स ने निकाला व्हाइट कोट मार्च

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने सीएए के विरोध में व्हाइट कोट मार्च निकाला। यह मार्च मेडिकल कॉलेज से शुरू होकर विश्वविद्यालय के विभिन्न मार्गों पर होते हुए बाब-ए-सैयद गेट तक पहुंचा।

मंगलवार को रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन से जुड़े जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर हमजा मलिक और अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज में इकट्ठा हुए। यहां से वह मार्च के रूप में विश्वविद्यालय के विभिन्न मार्गों पर होते हुए पहले मॉस कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट में इकट्ठा हुए। यहां यूनानी मेडिसिन से जुड़े जूनियर डॉक्टर्स ने भी मार्च को अपना समर्थन दिया। यहां से सभी संयुक्त रूप से मार्च में शामिल होकर बाब-ए-सैयद गेट पहुंचे। यहां छात्रों का पहले से विरोध प्रदर्शन चल रहा था। मार्च में शामिल डॉक्टर्स व छात्रों ने सीएए का विरोध किया। कहा कि यह काला कानून है। इसको हर हाल में वापस लिया जाना चाहिए।

इस बीच छात्रों ने लेकर रहेंगे आजादी के नारे लगाये। कहा कि कैंपस में सीएए के विरोध में कुछ छात्रों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर तो मेडिकल के जूनियर डॉक्टर्स ने व्हाइट कोट पहनकर मार्च निकाला। छात्रों की ओर से विरोध शांतिपूर्ण तरीके से किया जा रहा है।

प्रो. अफीफुल्लाह खान, एएमयू

आजादी लेकर रहेंगे। मार्च में पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मोहम्मद सलमान इम्तियाज समेत अन्य छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

देश बचाने तक जारी रहेगा विरोध प्रदर्शनः राथर

अलीगढ़। एएमयू के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष सज्जाद सुभान राथर ने कहा कि देश के गुंडों से डरने की जरुरत नहीं है। देश बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन को जारी रखना होगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब एक है। मूवमेंट तब तक जारी रहेगी, जब तक वीसी बाहर न आए। पुलिस के खिलाफ एफआइआर दर्ज करायी जाए। देश में सबका साथ, सबका विकास नारा दिया गया था। लेकिन ऐसा नहीं है। देश को गुमराह करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। भारत में हर छह किमी पर भाषा बदलती है। मोदी, शाह व योगी ने कोई विकास नहीं किया।

15 दिसंबर 2019 को एएमयू में सीएए को लेकर हुआ था बवाल

10 बजे सुबह अधिकारियों को मानवाधिकार आयोग की टीम ने सर्किट हाउस बुलाया

पुलिस की कार्रवाई में घायल ताजिम ने भी रखे विचार

एएमयू में 15 दिसंबर को हुए बवाल में घायल पुलिस छात्र ताजित ने भी बाब ए सैयद गेट पर चल रहे धरना प्रदर्शन में अपने विचार रखे। छात्रों का आरोप है कि पुलिस ने ताजिम को अपने साथ ले जाकर पिटाई की है। जिसमें उसको हाथ गंवाना पड़ा।

The Hindu (DELHI)

Bhainsa peaceful but normalcy yet to return

Telangana police arrest 40, conduct flag march

S. HARPAL SINGH

BHAINSA

The communal conflict-ridden town of Bhainsa in the Nirmal district of Telangana remained peaceful on Tuesday though normalcy did not return completely.

The local market was closed for a second day following the communal clashes of Sunday night and Monday morning, but the supply of fresh vegetables was hit only partially.

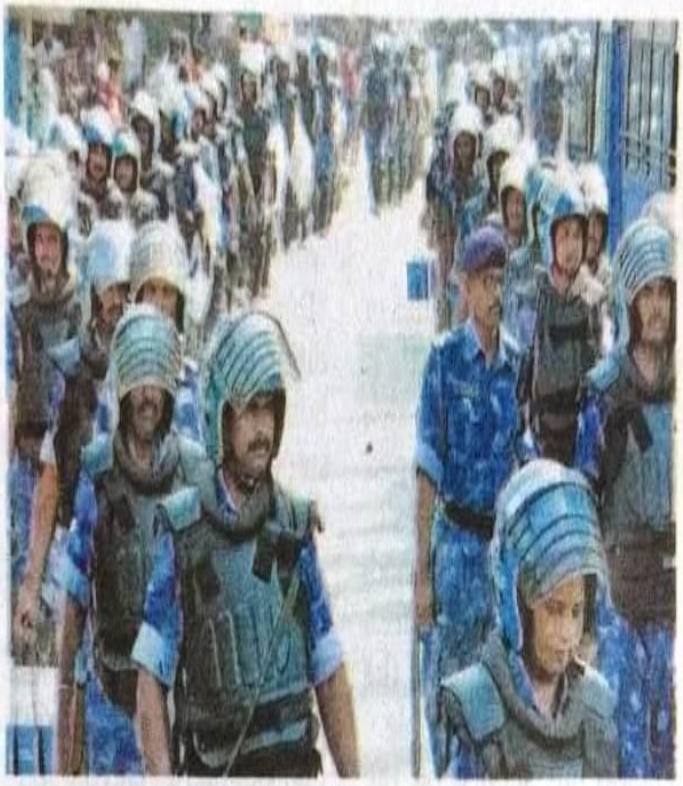

On alert: Rapid Action Force personnel staging a flag march in Bhainsa town on Tuesday. • S. HARPAL SINGH

Tenuous peace

Peace descended upon the narrow lanes and bylanes after the police made their presence felt by arresting over 40 persons accused of participating in arson and rioting. "More arrests will be made based on video footage identification of the culprits," said Nirmal Superintendent of Police C. Shashidhar Raju. He led a marching contingent of policemen into the interiors of the old town.

The peace, nevertheless, seemed to be tenuous, also given the history of violence in this semi-urban town. The fact that people from both communities continue to harbour mutual distrust makes peace here fragile, according to locals.

A three company strong Rapid Action Force (RAF) staged a flag march in the violence hit areas of town in the morning, driving home the message that the government means business when it comes to restoring peace.

Meanwhile, people moved around town freely making purchases of essentials. The area around the office of the local Deputy Superintendent of Police was abuzz with activity since morning as it lies at a crucial junction between two important sections of town inhabited by the two communities that are at loggerheads.

The violence, however, looked to dampen the spirit of the Sankranthi festival, which is usually celebrated with gusto locally. U. Chandrakanth, a seller of Sankranthi *muggu* and colours, lamented that losses looked imminent as his colours remained unsold.

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।